भारत सरकार

पर्यटन मंत्रालय

लोक सभा

लिखित प्रश्न सं. †2730

सोमवार, 9 मार्च, 2026/18 फाल्गुन, 1947 (शक)

को दिया जाने वाला उत्तर

आंध्र प्रदेश में एसडीएस- 2.0 के तहत नागार्जुन सागर का विकास

†2730. श्री लावू श्रीकृष्णा देवरायालूः

क्या **पर्यटन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या आन्ध्र प्रदेश राज्य सरकार द्वारा स्वदेश दर्शन योजना (एसडीएस)- 2.0 (चुनौती आधारित गंतव्य विकास घटक) के अंतर्गत नागार्जुन सागर को विश्वस्तरीय बौद्ध पर्यटन केन्द्र के रूप में विकसित करने के लिए एक परियोजना का प्रस्ताव केन्द्र सरकार को प्रस्तुत किया गया है;

(ख) यदि हां, तो अनुमोदित परिव्यय, अनुमोदनों की वर्तमान स्थिति और परियोजना की निविदा की स्थिति क्या है;

(ग) इस परियोजना के अंतर्गत अब तक पूरे किए गए कार्य, जिसमें स्तूप से संबंधित अवसंरचना का शिलान्यास कार्य और निर्माण कार्य शामिल हैं, का ब्यौरा क्या है और इसमें कितने प्रतिशत वास्तविक और वित्तीय प्रगति हुई है;

(घ) इस परियोजना के अंतर्गत शेष कार्यों को पूरा करने की समय-सीमा क्या है; और

(ङ) उक्त योजना 2.0 के अंतर्गत नागार्जुन सागर स्थल के पूरा होने पर अपेक्षित पर्यटन, रोजगार और स्थानीय आर्थिक लाभ का ब्यौरा क्या है?

उत्तर

पर्यटन मंत्री (श्री गजेन्द्र सिंह शेखावत)

(क) से (ङ): जी हां, पर्यटन मंत्रालय ने आंध्र प्रदेश राज्य में स्वदेश दर्शन योजना की एक पहल- चुनौती आधारित गंतव्य विकास (सीबीडीडी) के तहत 2024-25 में 25.00 करोड़ रुपये की लागत की 'नागार्जुन सागर में बौद्ध विरासत और सांस्कृतिक अनुभवों को समृद्ध करना' नामक परियोजना को पहले ही मंजूरी दे दी है।

राज्य कार्यान्वयन एजेंसी, आंध्र प्रदेश पर्यटन विकास निगम लिमिटेड (एपीटीडीसीएल) ने सूचित किया है कि उसने प्रतिस्पर्धी निविदा प्रक्रिया के माध्यम से ठेकेदार का चयन कर

लिया है और परियोजना की वित्तीय प्रगति 5% तथा भौतिक प्रगति 19.22% दर्ज की गई है। परियोजना के स्वीकृति आदेश के अनुसार, राज्य सरकार को 31.03.2026 तक परियोजना को विकसित और पूर्ण करने का निर्देश दिया गया है।

एपीटीडीसीएल ने आगे बताया है कि इस परियोजना का उद्देश्य नागार्जुन सागर में नए पर्यटन आकर्षणों का निर्माण करना और पर्यटन स्थल पर समग्र पर्यटन अनुभव को बेहतर बनाना है। यह भी बताया गया है कि वर्तमान में इस स्थल पर प्रतिवर्ष लगभग 6-7 लाख पर्यटक आते हैं, जिनके परियोजना पूरी होने के बाद शुरुआती वर्षों में बढ़कर लगभग 9-10 लाख और अगले कुछ वर्षों में लगभग 12-15 लाख तक पहुंचने की उम्मीद है। इसके अलावा, यह भी कहा गया है कि इस परियोजना से पर्यटन सेवाओं और सुविधा प्रबंधन में लगभग 100-150 प्रत्यक्ष रोजगार और लगभग 300-350 अप्रत्यक्ष रोजगार के अवसर सृजित होने की उम्मीद है, जिससे स्थानीय आबादी को लाभ होगा।

****